भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 849

दिनांक 26 जुलाई,2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

केरल में हेपेटाइटिस 'ए' का प्रकोप

†849. श्री वी. के. श्रीकंदन:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या केरल में हेपेटाइटिस 'ए' का और अधिक विस्फोटक प्रकोप फैलने की आशंका है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या पिछले दो दशकों से केरल के सभी जिलों में हेपेटाइटिस 'ए' के कई प्रकोप हुए हैं और इससे वर्ष भर अत्यधिक मौतें हुई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या जल गुणवत्ता की सख्ती से निगरानी और खाद्य सुरक्षा मानकों के साथ-साथ हेपेटाइटिस 'ए' के लिए कोई टीकाकरण कार्यनीति समय की मांग है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) क्या सरकार का स्थिति का जायजा लेने और देश में इस बीमारी को नियंत्रित करने के लिए उपचारात्मक उपाय सुझाने और उपलब्ध कराने के लिए राज्य में चिकित्सा विशेषज्ञों का एक दल तैनात करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीएचसीपी) ने सूचित किया है कि ऐसा कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है कि केरल में हेपेटाइटिस ए का अधिक विस्फोटक प्रकोप होने की संभावना है।

केरल राज्य अपनी रोग निगरानी प्रणाली के माध्यम से हेपेटाइटिस ए के मामलों की रिपोर्ट कर रहा है और साथ ही त्वरित नियंत्रण उपायों को अपना रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2008 से 17 जुलाई, 2024 तक केरल में हेपेटाइटिस ए के 13826 मामले थे, जिनमें से 101 मामलों में मृत्यु की पुष्टि हुई।

राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीएचसीपी) 28 जुलाई, 2018 को शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस ई के कारण होने वाली रुग्णता और मृत्यु दर के जोखिम को कम करना है। यह कार्यक्रम हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस ई के प्रबंधन के लिए निधियां मुहैया कराता है। यह हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस ई के संक्रमण को कम करने के लिए पेयजल और स्वच्छता विभाग के साथ समन्वय भी करता है। वर्तमान में एनसीएचसीपी हेपेटाइटिस ए के टीकाकरण का समर्थन नहीं करता है क्योंकि भारत हेपेटाइटिस ए संक्रमण के लिए हाइपरएंडेमिक है।

भारत सरकार बीमारी को रोकने के लिए स्थिति की नियमित आधार पर निगरानी करती है।

*****